CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: 6th

SUBJECT: Hindi

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities & Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जून 15	पुनरावृत्ति– व्याकरण– 1) वर्णविचार, 2) वर्तनी विचार एवं शुद्ध वाचन। (ि ी ु ू की मात्राओं का अभ्यास) 3) वर्ण, वर्णमाला, 4) उच्चारण स्थान,ह्रस्व–दीर्घ वर्तनी 5) पंचमवर्ण, अनुस्वार–अनुनासिक, 6) र के विभिन्न रूप।	शुद्ध –शुद्ध वाचन, लेखन वर्णों के उच्चारण स्थान का ज्ञान करवाना। ह्रस्व, दीर्घ वर्तनी का सही प्रयोग करना सिखाना। अनुस्वार,अनुनासिक का अंतर स्पष्ट करना। वर्तनी विचार एवं शुद्ध वाचन का अभ्यास कराना। लेखन कार्य करते समय पंचमवर्ण का सही प्रयोग करने में सक्षम बनाना।	रचनात्मकता एवं कल्पना शीलता का विकास करना। आत्मविश्वास में वृद्धि करना। लिखित अभिव्यक्ति के विकास के लिए कुछ नए शब्द को सिखाकर शब्द भंडार का विकास करना।	विद्यार्थियों को 10 शब्द श्यामपट्ट पर लिखकर दिए जाएँगे, जिनकी वर्तनी में सुधार करना होगा। हर विद्यार्थी पंचम वर्णों के प्रयोग द्वारा 15 शब्द लिखेगा। विद्यार्थी मूल्य आधारित कहानी का वाचन करेंगे एव ह्रस्व–दीर्घ मात्रा के अंतर को समझेंगे। श्रुतलेख	शुद्ध –शुद्ध वाचन, लेखन वर्णों के उच्चारण स्थान का ज्ञान करवाना। ह्रस्व, दीर्घ वर्तनी का सही प्रयोग करना सिखाना। अनुस्वार,अनुनासिक का अंतर स्पष्ट करना। वर्तनी विचार एवं शुद्ध वाचन का अभ्यास कराना। लेखन कार्य करते समय पंचमवर्ण का सही प्रयोग करने में सक्षम बनाना। रचनात्मकता एवं कल्पना शीलता का विकास करना। आत्मविश्वास में वृद्धि करना। लिखित अभिव्यक्ति के विकास के लिए कुछ नए शब्द को सिखाकर शब्द	अभ्यास कार्य पत्रक के आधार पर

					भंडार का विकास करना।	
जून	टिकट–अलबम	रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास । नाटिका को संवाद के रूप में लिखना सिखाना । अपने विचारों को क्रमबद्ध बिंदुवार रूप से लिखना सिखाना। अपने विचारों को आवाज के उतार– चढ़ाव व भाव अभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। कुछ देशज शब्दों से परिचय करवाना । मुहावरेदार भाषा का प्रयोग सिखाना।	सच बोलने की सीख देना । ईर्ष्या न करने की सीख देना । चोरी न करने की सीख देना। संग्रह का महत्त्व बताना । भावनात्मक जुड़ाव व संवेदनशीलता जागृत करना ।	कहानी का नाट्य मंचन एवं लेखन। देशी–विदेशी डाक टिकटों, संसार के देशों के ध्वज, झण्डे, कार स्टोकर, फूल, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महापुरूषों के चित्रों का संग्रह करना व अलबम बनाना। सच बोलने तथा ईर्ष्या न करने की सीख देते हुए पिता द्वारा पुत्र को पत्र।	सच बोलना सीखा । ईर्ष्या न करने की सीख प्राप्त हुई । चोरी न करना तथा संग्रह के महत्त्व को जाना। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास हुआ। संग्रह के महत्व से परिचित हुए। वस्तु विनिमय को समझाना ।	कहानी का नाट्य मंचन एवं लेखन। सच बोलने तथा ईर्ष्या न करने की सीख देते हुए पिता द्वारा पुत्र को पत्र (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
जुलाई 24	जो देखकर भी नहीं देखते	अनुच्छेद/संस्मरण की विषय वस्तु को रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास करना। क्रमबद्ध एवं बिंदुवार तरीके से अपने विचारों को प्रस्तुत करना सिखाना। कल्पनाशीलता का भाव जागृत करना। आवाज के उतार–चढ़ाव एवं भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित	किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शारीरिक कमी बाधक नहीं है, तथ्य से अवगत कराना। दिव्यांगों (विकलांगों) के प्रति सम्मान, जुड़ाव एवं संवेदनशीलता जागृत करना। तार्किकतापूर्वक अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। धैर्यपूर्वक दूसरों की बातों को सुनने का भाव जागृत करना। प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित कराना। प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक करना। आसपास के परिवेश (	नेत्रदान की प्रेरणा हेतु नारे लेखन एवं विज्ञापन निर्माण संवाद लेखन – जीवन परिवर्तनों से भरा है पर हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए, के भाव पर आधारित अनुच्छेद लेखन (सकारात्मक दृष्टिकोण का महत्त्व) (जीवन परिवर्तनों से भरा है पर हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए, के भाव पर आधारित) **ppt presentation** (जो	किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शारीरिक कमी बाधक नहीं है, तथ्य से अवगत हुए। दिव्यांगों (विकलांगों) के प्रति सम्मान, जुड़ाव एवं संवेदनशीलता जागृत हुई। तार्किकतापूर्वक अपनी बात प्रस्तुत करने लगे। धैर्यपूर्वक दूसरों की बातों को सुनने का भाव जागृत हुआ। प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित हुआ। प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं	नेत्रदान की प्रेरणा हेतु नारे लेखन एवं विज्ञापन निर्माण संवाद लेखन – जीवन परिवर्तनों से भरा है पर हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए, के भाव पर आधारित अनुच्छेद लेखन (सकारात्मक दृष्टिकोण का महत्त्व) (जीवन परिवर्तनों से भरा है पर हमें हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए, के भाव पर आधारित)

		करना। दूसरों की बात को धैर्यपूर्वक सुनने का कौशल विकसित करना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। पंच लाइन का निर्माण करना सिखाना। आकर्षक विज्ञापन निर्माण करना सिखाना।	वातावरण) के प्रति सजग रहना सिखाना।	देखकर भी नहीं देखते – पाठ)	जागरुक हुए। आसपास के परिवेश (वातावरण) के प्रति सजग हुए।	(किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
जुलाई	मैं सबसे छोटी होऊँ– कविता	काव्य विधा में अभिरुचि उत्पन्न करना तथा कविता लेखन के लिए प्रेरित करना । कल्पनाशीलता का विकास करना । आवाज के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन करना सिखाना । तुकांत शब्दों का प्रयोग करना सिखाना ।	बाल सुलभ इच्छाओं और माता के वात्सल्य भाव का परिचय कराना। आत्मनिर्भरता के महत्त्व से परिचय करवाना । बाल्यावस्था के सुखद समय का अहसास दिलाना ।	स्वरचित कविता लेखन व वाचन – तारों की टिम–टिम , बारिश की रिमझिम अनुच्छेद लेखन " आत्मनिर्भरता " मौखिक अभिव्यक्ति–व्यक्तिगत चर्चा – " क्या माँ का कामकाजी होना बच्चे के विकास में बाधक है ? (कक्षा में बोलकर सुनाना)––कक्षा में बच्चों को दो अलग–अलग समूहों में बाँटना, जिसमें एक समूह में वे, जो छोटे बने रहना चाहते हैं तथा दूसरे मं वे जो बड़े होना चाहते हैं। इन दोनों समूह के सभी बच्चे एक–एक कर बताएँगे कि वह क्यों छोटा बने रहना चाहते हैं , या क्यों बड़ा होना चाहते हैं ।	किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शारीरिक कमी बाधक नहीं है, तथ्य से अवगत हुए। दिव्यांगों (विकलांगों) के प्रति सम्मान, जुड़ाव एवं संवेदनशीलता जागृत हुइ। तार्किकतापूर्वक अपनी बात प्रस्तुत करने लगे। धैर्यपूर्वक दूसरों की बातों को सुनने का भाव जागृत हुआ। प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित हुआ। प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं जागरुक हुए। आसपास के परिवेश (वातावरण) के प्रति सजग हुए।	स्वरचित कविता लेखन व वाचन – तारों की टिम–टिम , बारिश की रिमझिम अनुच्छेद लेखन–आत्मनिर्भरता मौखिक अभिव्यक्ति–व्यक्तिगत चर्चा – " क्या माँ का कामकाजी होना बच्चे के विकास में बाधक है ? (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
जुलाई	<u>व्याकरण–</u> संज्ञा व उसके प्रकार, सर्वनाम, विशेषण	संज्ञा व सर्वनाम की अवधारणा का अभ्यास कराना। बोलचाल या कहानी में स	रचनात्मकता एवं कल्पना शीलता का विकास करना। आत्मविश्वास में वृद्धि करना।	संज्ञा व सर्वनाम के परिवार खोजो। गानां में विशेषण पहचानने की	संज्ञा व सर्वनाम की अवधारणा का अभ्यास किया। बोलचाल या कहानी में से संज्ञा व सर्वनाम के भेद पहचाना सीख गए। विशेषण के भेद पहचानने का	संज्ञा व सर्वनाम के परिवार खोजो। गानों में विशेषण पहचानने

	क्रिया व क्रिया के भेद	संज्ञा व सर्वनाम के भेद पहचानना। विशेषण के भेद पहचानने का अभ्यास कराना। क्रिया व क्रिया के भेद पहचानने का अभ्यास कराना।	लिखित अभिव्यक्ति के विकास के लिए कुछ नए शब्द को सिखाकर शब्द भंडार का विकास करना। लिखित एवं मौखिक अभिव्यक्ति में सक्षम बनाना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना।	गतिविधि बोलचाल या कहानी में से कारक व उसके भेदों को पहचानने का अभ्यास पत्रक अभ्यास कार्य पत्रक	अभ्यास किया। क्रिया व क्रिया के भेद पहचानने का अभ्यास किया। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास हुआ। आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। लिखित अभिव्यक्ति के विकास के लिए कुछ नए शब्द को सिखाकर शब्द भंडार का विकास करना सीखा। लिखित एवं मौखिक अभिव्यक्ति में सक्षम बनें। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करने लगे।	की गतिविधि बोलचाल या कहानी में से कारक व उसके भेदों को पहचानने का अभ्यास पत्रक संज्ञा व उसके प्रकार, सर्वनाम, विशेषण क्रिया व क्रिया के भेद पर आधारित अभ्यास कार्य पत्रक (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
		Unit test – 1 **(31 July -02 August)**				

अगस्त 21	चाँद से थोड़ी–सी गप्पें (कविता)	रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास करना। संवाद लेखन विधा से परिचित कराना। दूसरो की बात को धैर्यपूर्वक सुनने तथा अपनी बात कहने का गुण विकसित करना। ppt निर्माण में कुशल बनाना। लिखित अभिव्यक्ति के साथ–साथ मौखिक अभिव्यक्ति में कुशल बनाना।	चाँद के घटते–बढ़ते स्वरूप की जानकारी देना। महोने के दो पक्ष – शुक्ल पक्ष (पूर्णिमा) और कृष्ण पक्ष (अमावस्या) से अवगत कराना। प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों से अवगत कराना। वर्तमान विश्व के पीछे छिपे परिवर्तन के नियम से परिचित कराना। जीवन में होने वाले परिवर्तनों को सहजता से स्वीकार करने में सक्षम बनाना। सुख के बाद दुख, जीत के बाद हार, इन परिस्थितियों से उभरने में सक्षम बनाना।	चाँद का कुर्ता (**animated video**) गतिविधि में दिखाए गए **video** जिसमें माँ और चाँद के तध्य हुई बातचीत को संवाद के रूप में लेखन। मौखिक अभिव्यक्ति (जिस तरह चाँद और सूरज अपने गुणों से संसार को प्रकाशित करते हैं, उसी प्रकार से आप संसार में किस रूप में अपनी पहचान बनाना चाहते हो? और ऐसा क्या करना चाहेंगे कि सभी आपसे प्रेरित हो।) बच्चों द्वारा **Ppt** निर्माण	रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास हुआ। संवाद लेखन विधा से परिचित हुए। दूसरो की बात को धैर्यपूर्वक सुनने तथा अपनी बात कहने का गुण विकसित हुआ। ppt निर्माण में कुशल बने। लिखित अभिव्यक्ति के साथ–साथ मौखिक अभिव्यक्ति में कुशल बने। वर्तमान विश्व के पीछे छिपे परिवर्तन के नियम से परिचित हुए। चाँद के घटते–बढ़ते स्वरूप के बारे में जाना। शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के बारे में जाना। हिन्दी महिनों के नामों से परिचित हुए।	चाँद का कुर्ता (**animated video**) गतिविधि में दिखाए गए **video** जिसमें माँ और चाँद के तध्य हुई बातचीत को संवाद के रूप में लेखन। मौखिक अभिव्यक्ति (जिस तरह चाँद और सूरज अपने गुणों से संसार को प्रकाशित करते हैं, उसी प्रकार से आप संसार में किस रूप में अपनी पहचान बनाना चाहते हो? और ऐसा क्या करना चाहेंगे कि सभी आपस प्रेरित हो।) बच्चों द्वारा **Ppt** निर्माण (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
अगस्त	लोकगीत	सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन–निर्माण सिखाना। समाचार–लेखन विधा से परिचय कराना। विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित करना।	अपनी लोक संस्कृति एवं लोक गीत के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक बनाना। विभिन्न प्रदेशों के लोकगीतों के प्रकार और महत्त्व की जानकारी देना। लोकगीतों के स्वरूप की जानकारी देना।	**Video presentation** अलग–अलग लोकगीतों पर आधारित (विवाह, होली, फाग आदि पर आधारित) **ppt presentation** (पाठ – लोकगीत) (देखकर, सुनकर एवं पाठ के आधार पर प्रश्नोत्तर स्वयं एवं समूह चर्चा के आधार पर)	अपनी लोक संस्कृति एवं लोक गीत के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक हुए। विभिन्न प्रदेशों के लोकगीतों के स्वरूप , प्रकार और महत्त्व की जानकारी प्राप्त की। अपनी लोक संस्कृति से परिचय हुए। लोक संस्कृति एवं लोक गीत के धीरे–धीरे लुप्त होने के कारणों को जाना।	**Video presentation** अलग–अलग लोकगीतों पर आधारित (विवाह, होली, फाग आदि पर आधारित) **ppt presentation** (पाठ – लोकगीत) (देखकर, सुनकर एवं पाठ के आधार पर प्रश्नोत्तर स्वयं एवं समूह चर्चा के आधार पर) विभिन्न लोकगीतों का

		दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित करना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित करना। विषय–वस्तु को रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास करना। अपने विचारों का बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना।	अपनी लोक संस्कृति से परिचय कराना। लोक संस्कृति एवं लोक गीत के धीरे–धीरे लुप्त होने के कारणों को जानना। अपनी तथा दूसरों की लोक संस्कृति एवं लोक गीत के बारे जानना। अपनी संस्कृति के लोकगीतों के प्रति रूझान उत्पन्न करना। शहर में होने वाले मेले (मालवा उत्सव , हस्त–शिल्प बाज़ार ,ग्रामीण हाट बाज़ार, वैशाखी उत्सव आदि) के प्रति रूझान उत्पन्न करना। अपनी संस्कृति के प्रति गर्व जागृत करना।	विभिन्न लोकगीतों का संग्रह तथा गायन (किसी भी दो राज्य के एक–एक लोकगीत कॉपी में लिखेंगे /अपनी संस्कृति के दो लोकगीत) (अपनी संस्कृति का एक लोकगीत गायन) शहर में हुए लोकगीत की प्रस्तुति पर आधारित समाचार–लेखन (घटना, कहाँ, कब, कैसे घटी? तथा उसका क्या कारण था, उसमें कौन कितना प्रभावित हुआ) लोक संस्कृति मेला – विज्ञापन निर्माण लोकगीतों की समाज में आवश्यकता व महत्त्व पर समूह चर्चा। (समाज की वास्तविक स्थिति से परिचय, विचार विश्लेषण करना, युवा पोढ़ी का दृष्टिकोण/कर्त्तव्यबोध आदि)	अपनी तथा दूसरों की लोक संस्कृति एवं लोक गीत के बारे जाना। अपनी संस्कृति के लोकगीतों के प्रति रूझान उत्पन्न हुआ। समूह में बातचीत कर हिचकिचाहट दूर करना सीखा। शहर में होने वाले मेले (मालवा उत्सव , हस्त–शिल्प बाज़ार ,ग्रामीण हाट बाज़ार, वैशाखी उत्सव आदि) के प्रति रूझान उत्पन्न हुआ। अपनी संस्कृति के प्रति गर्व जागृत हुआ। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सीखा। आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन–निर्माण सीखा। समाचार–लेखन विधा से परिचित हुए। विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित हुए। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित हुआ। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित हुआ। विषय–वस्तु को रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास हुआ। अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास करना सीखा।	संग्रह तथा गायन(किसी भी दो राज्य के एक–एक लोकगीत कॉपी में लिखेंगे /अपनी संस्कृति के दो लोकगीत) (अपनी संस्कृति का एक लोकगीत गायन) शहर में हुए लोकगीत की प्रस्तुति पर आधारित समाचार–लेखन (घटना, कहाँ, कब, कैसे घटी? तथा उसका क्या कारण था, उसमें कौन कितना प्रभावित हुआ) लोक संस्कृति मेला – विज्ञापन निर्माण लोकगीतों की समाज में आवश्यकता व महत्त्व पर समूह चर्चा। (समाज की वास्तविक स्थिति से परिचय, विचार विश्लेषण करना, युवा पीढ़ी का दृष्टिकोण/कर्त्तव्यबोध आदि) (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
सितंबर 21	ऐसे–ऐसे (एकांकी)	पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करना। रचनात्मकता एवं	समय पर कार्य न करने से होने वाली हानियों से परिचित कराना। समय पर कार्य करने से होने वाले लाभों से परिचित	ऐसे –ऐसे पाठ पर आधारित **video** दिखाकर बच्चों की पाठ के प्रति रूचि जागृत करेंगे। दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से आपसी चर्चा	पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करने लगे हैं। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का	कहानी लेखन/ अनुच्छेद लेखन –''सच का बोलबाला और झूठे का मुँह काला'' , ''साँच बराबर तप नहीं,झूठ बराबर पाप'' , ''सच्चाई की

		कल्पनाशीलता का विकास करना। अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना। तार्किक चिंतन–मनन कौशल का विकास करना। विश्लेषण करने की क्षमता का विकास करना। नाट्य मंचन कौशल का विकास करना। आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का अभ्यास कराना। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित करना। संवाद लेखन सिखाना।	कराना। झूठ न बोलने की सीख देना। झूठ बोलने से होने वाले नुकसान से परिचित कराना। सच बोलने से होने वाल लाभों से परिचित कराना। सदा बड़ों का कहना मानने की सीख देना। सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।	करेंगे। कहानी लेखन/ अनुच्छेद लेखन –''सच का बोलबाला और झूठे का मुँह काला'' , ''साँच बराबर तप नहीं,झूठ बराबर पाप'' , ''सच्चाई की जीत'' आदि विषयों में से किसी एक पर मौखिक अभिव्यक्ति–जब मेरा झूठ पकड़ा गया और मैं शर्म से पानी–पानी हो गया ऐसे–ऐसे कहानी का नाट्य मंचन ऐसे–ऐसे एकांकी का संवाद के रूप में लेखन	विकास हुआ। अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास किया। तार्किक चिंतन–मनन कौशल का विकास हुआ। विश्लेषण करने की क्षमता का विकास हुआ। नाट्य मंचन कौशल का विकास हुआ। आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास किया। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का अभ्यास किया। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित हुआ। संवाद लेखन सीखा। समय पर कार्य न करने से होने वाली हानियों से परिचित हुए। समय पर कार्य करने से होने वाले लाभों से परिचित हुए। झूठ न बोलने का संकल्प लिया। झूठ बोलने से होने वाले नुकसान से परिचित हुए। सच बोलने से होने वाले लाभों से परिचित हुए। सदा बड़ों का कहना मानने की सीख सीखी। सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ।	जीत'' आदि विषयों में से किसी एक पर मौखिक अभिव्यक्ति–जब मेरा झूठ पकड़ा गया और मैं शर्म से पानी–पानी हो गया ऐसे–ऐसे कहानी का नाट्य मंचन ऐसे–ऐसे एकांकी का संवाद के रूप में लेखन (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
सितंबर	नौकर	लिखित अभिव्यक्ति का	गाँधीजी के चरित्र की	गाँधी जी के जीवन से जुड़े	सभी कार्य को समान व महत्वपूर्ण	वर्तमान समय में गाँधी की

		विकास करना । अपने विचारों को बिंदुवार तथा क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना । आवाज के उचित उतार. चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना । कल्पनाशीलता का विकास करना । विषय वस्तु को रोचकता से आगे बढ़ाने का अभ्यास कराना ।	विशेषताओं की जानकारी देकर उन्हें अपने जीवन में उतारने की सीख देना । किसी भी कार्य को छोटा ना समझने की सीख देना । घर के नौकरों से प्रेम पूर्वक व्यवहार करने की सीख देना। पूर्व ज्ञान से जोड़ने की क्षमता का विकास करना । आत्मनिर्भर बनने की सीख देना । बड़ों का सम्मान करना सिखाना ।	रोचक व शिक्षाप्रद प्रसंगों का संग्रह करना । वर्तमान समय में गाँधी की प्रासंगिकता (उपयोगिता) विषय पर परिचर्चा । कहानी/अनुच्छेद लेखन– स्वावलंबन (आत्मनिर्भरता) का महत्त्व क्या नौकरों को अपने समान मानना, उनसे प्रेमपूर्वक बातें करना उचित है ? (मौखिक अभिव्यक्ति)	मानने लगे हैं। घर के नौकरों को छोटा न समझ अपने समान मानने लगे तथा उनसे प्रेम पूर्वक व्यवहार करने का प्रयास करने लगे हैं। आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हुए । अपने से बड़ों का सम्मान करना प्रारंभ किया । लिखित अभिव्यक्ति के साथ– साथ मौखिक अभिव्यक्ति का विकास हुआ ।	प्रासंगिकता विषय पर परिचर्चा कहानी/अनुच्छेद लेखन– स्वावलंबन(आत्मनिर्भरता) का महत्त्व क्या नौकरों को अपने समान मानना, उनसे पमपूर्वक बातें करना उचित है ? (मौखिक अभिव्यक्ति) (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
सितंबर	व्याकरण– व्याकरण शीट–1 विज्ञापन निर्माण, संवाद–लेखन , पत्र लेखन, अपठित गद्यांश पद्यांश एवं पुनरावृत्ति	लिंग, वचन, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, तत्सम–तद्भव शब्द से परिचित करवाना। शब्द–संपदा में वृद्धि करना। आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन–निर्माण सिखाना। संवाद लेखन कौशल का विकास करना। पत्र लेखन कौशल का विकास करना।	रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास करना । अनौपचारिक पत्र के प्रारूप से परिचित कराकर पत्र लिखना सिखाना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। अपठित गद्यांश पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम बनाना।	विभिन्न विषयों पर पत्र, संवाद और विज्ञापन निर्माण करने का अभ्यास कराना। व्याकरण शीट–1 के आधार पर अभ्यास पत्रक बनाकर अभ्यास कराना।	लिंग, वचन, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, तत्सम–तद्भव शब्द से परिचित हुए। शब्द–संपदा में वृद्धि हुए। आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन– निर्माण सीखा। संवाद लेखन कौशल का विकास हुआ। पत्र लेखन कौशल का विकास हुआ। रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास हुआ । अनौपचारिक पत्र के प्रारूप से परिचित होकर पत्र लिखना सीखा। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात	विभिन्न विषयों पर पत्र, संवाद और विज्ञापन निर्माण करने का अभ्यास कराना। व्याकरण शीट–1 के आधार पर अभ्यास पत्रक बनाकर अभ्यास कराना। (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)

					प्रस्तुत करने लगे है।	
----------	.....	**Half yearly exam (03-13 october)**	.....	.....	....	----------
अक्तूबर 17	वह चिड़िया जो	तुकांत शब्दों का प्रयोग करना सिखाना । काव्य विधा में अभीरुचि उत्पन्न करना तथा कविता लेखन की ओर प्रेरित करना । कल्पनाशीलता का विकास करना । आवाज के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन करना सिखाना विषय वस्तु को रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास करना । विशेषण शब्दों का प्रयोग सिखाना ।	चिड़िया की विशेषताओं के माध्यम से पशु पक्षियों के प्रति संवेदना जगाना । प्राणी मात्र के प्रति संवेदन–शील बनाना । अपनी बात को तथ्यपूर्ण रूप व प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने की कला का विकास करना । संतोष धारण करने व साहस से कार्य करने की सीख देना प्रकृति प्रदत्त वस्तु तत्वों के प्रति कृतज्ञता का भाव ज्ञापित करना ।	अनुच्छेद लेखन " यदि आपको भी कोई पंक्षी घायल अवस्था में मिले तो आप क्या करेंगे ? " (लिखित अभिव्यक्ति) वह बच्चा जो..... वह नदी जो..... वह फूल जो..... वह पतंग जो..... आदि विषय देकर स्व–रचित कविता अनुच्छेद लेखन– '' यदि मेरे भी पंख होते '' / पक्षियों को कैद रखना उचित है ?	तुकांत शब्दों का प्रयोग करना सीखा । काव्य विधा में अभिरुचि उत्पन्न हुई । कल्पनाशीलता का विकास हुआ । आवाज के उचित उतार–चढ़ाव के साथ वाचन करना सीखा । विषय वस्तु को रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास हुआ । पशु–पक्षियों के प्रति संवेदना जाग्रत हुई।	अनुच्छेद लेखन " यदि आपको भी कोई पंक्षी घायल अवस्था में मिले तो आप क्या करेंगे? '' (लिखित अभिव्यक्ति) वह बच्चा जो..... वह नदी जो..... वह फूल जो..... वह पतंग जो..... आदि विषय देकर स्व–रचित कविता अनुच्छेद लेखन– '' यदि मेरे भी पंख होते '' / पक्षियों को कैद रखना उचित है ? (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
नवंबर 23	.झाँसी की रानी (कविता)	अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास करना। पूर्व ज्ञान से जोड़ने की क्षमता विकसित करना। काव्य विधा में रूचि जागृत कर स्वर के उतार–चढ़ाव	लक्ष्मीबाई के जीवन से परिचित कराना। देश–प्रेम का संदेश देना। देश–प्रेम की भावना जागृत करना। आत्मविश्वास में वृद्धि करना। देश की सैनिकों के प्रति सम्मान जागृत करना।	कवि सम्मेलन (देशप्रेम पर आधारित ओजपूर्ण कविताएँ) भूमिका निर्वहन –(स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों जैसे–रानी लक्ष्मीबाई, सुभाषचंद्र बोस, ताँतिया टोपे, भगत सिंह आदि) जीवन परिचय लेखन– मन पसंद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी (सचित्र)	अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास हुआ। पूर्व ज्ञान से जोड़ने की क्षमता का विकसित हुआ। काव्य विधा में रूचि जागृत हुई एवं स्वर के उतार–चढ़ाव के साथ कवितापाठ का अभ्यास किया। जीवन परिचय लेखन विधा से परिचित हुए।	कवि सम्मेलन (देशप्रेम पर आधारित ओजपूर्ण कविताएँ) भूमिका निर्वहन –(स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों जैसे–रानी लक्ष्मीबाई, सुभाषचंद्र बोस, ताँतिया टोपे, भगत सिंह आदि) जीवन परिचय लेखन– मन

		के साथ कवितापाठ का अभ्यास कराना। जीवन परिचय लेखन विधा से परिचित कराना। विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित करना। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित करना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित करना।	देश के प्रति कर्त्तव्यबोध जगाना। विश्लेषण कर आलोचनात्मक चिंतन करने हेतु प्रेरित करना। संवेदनशील बनाना।	अनुच्छेद लेखन– स्वतंत्रता का महत्त्व / सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा समूह चर्चा– आज के परिपेक्ष्य में देश–प्रेम का सही अर्थ /मेरी दृष्टि में देश–प्रेम का सही अर्थ	विषय से संबंधित तार्किक वार्तालाप करने हेतु प्रोत्साहित हुए। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित हुआ। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का कौशल विकसित हुआ। लक्ष्मीबाई के जीवन से परिचित हुए। देश–प्रेम की भावना जागृत हुई। आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। देश की सैनिकों के प्रति सम्मान जागृत हुआ। देश के प्रति कर्त्तव्यबोध जागा। विश्लेषण कर आलोचनात्मक चिंतन करने हेतु प्रेरित हुए। संवेदनशील बनें।	पसंद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी (सचित्र) अनुच्छेद लखन– स्वतंत्रता का महत्त्व / सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा समूह चर्चा– आज के परिपेक्ष्य में देश–प्रेम का सही अर्थ /मेरी दृष्टि में देश–प्रेम का सही अर्थ (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
नवंबर	संसार पुस्तक है	प्रकृति के सामीप्य का संदेश देना । प्रकृति में व्याप्त सौंदर्य के प्रति बच्चों का ध्यान आकर्षित करना। हर वस्तु तत्व हमें कुछ न कुछ सिखाता है, संदेश देना । आवाज के उचित उतार – चढ़ाव के साथ बोलने में सक्षम बनाना । आत्मकथा शैली से अवगत कराना ।	अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने की कला का विकास । पूर्व ज्ञान से जोड़ने की क्षमता का विकास । वर्तमान विश्व के पीछे छिपे परिवर्तन के नियम से परिचय करवाना । दृढ निश्चय व लगन से काम करने का संदेश देना ।	अनुच्छेद लेखन " परिवर्तन संसार का नियम है " प्रकृति आधारित स्वरचित कविता लेखन (यदि मैं नदी होता , यदि मैं बादल होता , यदि मैं पहाड़ होता) (लिखित अभिव्यक्ति)–नेहरू ने इंदिरा को पत्र लिखा था , किसी से दूर होने पर आप संचार के किन माध्यमों का इस्तेमाल करते हैं ? (आत्मकथा शैली) में लेखन – कागज की कहानी पेड़ की जुबानी ।	दृढ़ निश्चय व लगन से काम करने का संदेश प्राप्त हुआ । प्रकृति में छिपे परिवर्तन के नियम से परिचित हुए । प्रकृति का हर तत्व हमें कुछ न कुछ सिखाता है इस बात को समझे । आत्मकथा शैली से अवगत हुए । विषय वस्तु को रोचकता के साथ विकसित करने की कला का विकास हुआ । आवाज के उचित उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ने व बोलने में आंशिक रूप से सक्षम हुए ।	अनुच्छेद लेखन " परिवर्तन संसार का नियम है " प्रकृति आधारित स्वरचित कविता लेखन (यदि मैं नदी होता , यदि मैं बादल होता , यदि मैं पहाड़ होता) (लिखित अभिव्यक्ति)–नेहरू ने इंदिरा को पत्र लिखा था , किसी से दूर होने पर आप संचार के किन माध्यमों का इस्तेमाल करते हैं ? (आत्मकथा शैली) में लेखन – कागज की कहानी पेड़ की जुबानी ।

						(किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
दिसंबर 22	नादान दोस्त (कहानी)	अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत कर विषयवस्तु को रोचकतापूर्वक आगे बढ़ाने का अभ्यास कराना। संवाद के रूप में लघु नाटिका को आकर्षक एवं प्रभावी रूप से लिखने का अभ्यास कराना। आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करना। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास करना। अनौपचारिक पत्र के प्रारूप से परिचित करवाकर पत्र लेखन कौशल का विकास करना।	सोच–विचारकर तथा बड़ों से जानकारी लेकर कार्य करने की सीख देना। पशु–पक्षियों के प्रति प्रेम एवं संवेदनशीलता जागृत करना। प्राणी जगत के प्रति सुरक्षा का भाव जागृत करना। चिंतन–मनन की प्रवृत्ति का विकास करना। विश्लेषण कर सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना। मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का विकास करना।	नादान दोस्त कहानी का **Animated video** नादान दोस्त कहानी का नाट्य लेखन, मंचन एवं संवाद लेखन आपकी गर्मियों की लंबी छुट्टियाँ होती हैं , तो आपका दिन कैसे बीतता है ? अपनी बुआ या किसी अन्य को एक पोस्ट कार्ड या अन्तरदेशीय पत्र लिखकर बताओ। अनुच्छेद लेखन (बड़ों की सीख अनमोल किसी की भलाई के उद्देश्य से किया गया कार्य आपकी नादानी से दूसरों को चोट या नुकसान पहुँचा गया , ऐसे किसी अनुभव या घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। (मौखिक और लिखित) उदाहरण– 1. माँ को गैस पर बर्तन सुखाते हुए देखा तो आपने भी गीला प्लास्टिक का बर्तन सुखाने की कोशिश की। 2. फिश पॉट का पानी बदलने पर मछलियों का मर जाना। आदि।	सोच–विचारकर तथा बड़ों से जानकारी लेकर कार्य करना सीखा। पशु–पक्षियों के प्रति प्रेम एवं संवेदनशीलता जागृत हुई। प्राणी जगत के प्रति सुरक्षा का भाव जागृत हुआ। चिंतन–मनन की प्रवृत्ति का विकास हुआ। विश्लेषण कर सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ। अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत कर विषयवस्तु को रोचकतापूर्वक आगे बढ़ाने का अभ्यास करना सीखा। संवाद के रूप में लघु नाटिका को आकर्षक एवं प्रभावी रूप से लिखने का अभ्यास किया। आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास किया। पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करने लगे। अनौपचारिक पत्र के प्रारूप से परिचित हुए एवं पत्र लेखन कौशल का विकास हुआ।	नादान दोस्त कहानी का नाट्य लेखन, मंचन एवं संवाद लेखन आपकी गर्मियों की लंबी छुट्टियाँ होती हैं , तो आपका दिन कैसे बीतता है ? अपनी बुआ या किसी अन्य को एक पोस्ट कार्ड या अन्तरदेशीय पत्र लिखकर बताओ। अनुच्छेद लेखन (बड़ों की सीख अनमोल किसी की भलाई के उद्देश्य से किया गया कार्य आपकी नादानी से दूसरों को चोट या नुकसान पहुँचा गया , ऐसे किसी अनुभव या घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। (मौखिक और लिखित) (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
दिसंबर	पार नज़र के	आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन निर्माण सिखाना	बड़ों का कहना मानने की सीख देना।	पार नजर के कहानी का नाट्य लेखन एवं मंचन।	आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन निर्माण सीखा ।	पार नजर क कहानी का नाट्य लेखन एवं मंचन।

		। संवाद कौशल में सक्षम बनाना। लघु नाटिका लेखन कौशल का विकास कराना । रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास करना । अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना । उचित शब्द चयन का अभ्यास कराना ।	मंगल ग्रह के विषय में जानकारी देना। सोच समझ कर कार्य करने की सीख देना। अपने आसपास के वातावरण के प्रति जागरुक व जिम्मेदार बनाना। सामान्य रूप से सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करना सिखाना।	पार नज़र के कहानी का नाट्य मंचन को संवाद के रूप में लेखन। (लिखित अभिव्यक्ति) पत्र लेखन –(लिखित अभिव्यक्ति)– सोच समझ कर कार्य करने की सीख देते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए। यदि आपको भी कोई एलियन मिल जाए तो आप का व्यवहार उसके प्रति कैसा होगा? (मौखिक अभिव्यक्ति)	संवाद कौशल में सक्षम बने। संवाद के रूप में लघु नाटिका को आकर्षक एवं प्रभावी रुप से लिखने का अभ्यास हुआ। लघु नाटिका लेखन कौशल का विकास हुआ। रचनात्मकता एवं कल्पना शीलता का विकास हुआ। अपने विचारों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास हुआ। उचित शब्द चयन भाषा व लिखावट का अभ्यास हुआ। बड़ों का कहना मानने की सीख प्राप्त हुई । मंगल ग्रह के विषय में जानकारी प्राप्त हुई । सोच समझ कर कार्य करना सीखा ।	पार नज़र के कहानी का नाट्य मंचन को संवाद के रूप में लेखन। (लिखित अभिव्यक्ति) पत्र लेखन –(लिखित अभिव्यक्ति)– सोच समझ कर कार्य करने की सीख देते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए। यदि आपको भी कोई एलियन मिल जाए तो आप का व्यवहार उसके प्रति कैसा होगा? (मौखिक अभिव्यक्ति) (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
		Unit test – (08 January -10 January)				
जनवरी 20	साथी हाथ बढ़ाना –कविता	पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करना। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास करना। अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास	मिलकर कार्य करने से होने वाले लाभों से परिचित कराना। एकता,परस्पर सहयोग तथा संगठन का महत्त्व बताना। संवेदनशीलता का भाव जागृत करना। निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।	साथी हाथ बढाना (गीत) कविता का **video** कहानी एवं शीर्षक लेखन / अनुच्छेद लेखन –(एक और एक मिलकर ग्यारह होते है, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता , संगठन का महत्त्व आदि भाव पर आधारित) मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति– ‘‘ हम मेहनत वालों ने जब भी मिलकर कदम बढ़ाया	पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जुड़ने का प्रयास किया। रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास हुआ। अपने विचारों को बिंदुवार तथा कमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास किया। तार्किक चिंतन–मनन कौशल का विकास हुआ। विश्लेषण करने की क्षमता का	कहानी एवं शीर्षक लेखन / अनुच्छेद लेखन –(एक और एक मिलकर ग्यारह होते है, अकेला चना भाड़ नहीं फाड़ सकता , संगठन का महत्त्व आदि भाव पर आधारित) मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति– ‘‘ हम मेहनत वालों ने जब भी मिलकर कदम बढ़ाया

		कराना। तार्किक चिंतन–मनन कौशल का विकास करना। विश्लेषण करने की क्षमता का विकास करना। नाट्य मंचन कौशल का विकास करना। आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना। समूह चर्चा विधा से परिचित कराना। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का अभ्यास कराना। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित करना। संवाद लेखन सिखाना।	आत्मविश्वास जागृत करना। सामांजस्य का भाव जागृत करना। दूसरों के सुख–दुख में भागीदार बनने को प्रेरित करना।	सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया '' पंक्ति में जीवन और समाज की किस सच्चाई की ओर संकेत है ? नाट्य मंचन –(एक और एक मिलकर ग्यारह होते है, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता , आदि भाव पर आधारित) समूह चर्चा– आज के जीवन में साथी हाथ बढ़ाना गीत की आवश्यकता संवाद लेखन– आज के जीवन में साथी हाथ बढ़ाना गीत की आवश्यकता व्याकरण अभ्यास पत्रक 1. नीचे हाथ से संबंधित कुछ मुहावरे दिए गए हैं। इनके अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ– हाथ को हाथ न सूझना– हाथ साफ़ करना– हाथ–पैर फूलना– हाथों–हाथ लेना– हाथ लगना– हाथ बँटाना– 2. तत्सम शब्दों को तद्भव शब्द में बदलिए– इँसा– परबत– सीस– रस्ता– हस्त–	विकास हुआ। नाट्य मंचन कौशल का विकास हुआ। आवाज़ के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास किया। समूह चर्चा विधा से परिचित हुए। अपनी बात को तर्कपूर्वक कहने का अभ्यास किया। दूसरों की बात को धैर्य व एकाग्रतापूर्वक सुनने का कौशल विकसित हुआ। संवाद लेखन सीखा। एकता,परस्पर सहयोग तथा संगठन का महत्त्व से परिचित हुए। मिलकर कार्य करने से होने वाले लाभों से परिचित हुए। संवेदनशीलता का भाव जागृत हुआ। निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ। आत्मविश्वास जागृत हुआ। सामांजस्य का भाव जागृत हुआ। दूसरों के सुख–दुख में भागीदार बनने को प्रेरित हुए।	सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया '' पंक्ति में जीवन और समाज की किस सच्चाई की ओर संकेत है ? नाट्य मंचन –(एक और एक मिलकर ग्यारह होते है, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता , आदि भाव पर आधारित) समूह चर्चा– आज के जीवन में साथी हाथ बढ़ाना गीत की आवश्यकता संवाद लेखन– आज के जीवन में साथी हाथ बढ़ाना गीत की आवश्यकता व्याकरण अभ्यास पत्रक 1. नीचे हाथ से संबंधित कुछ मुहावरे दिए गए हैं। इनके अर्थ लिखकर वाक्य बनाओ– हाथ को हाथ न सूझना– हाथ साफ़ करना– हाथ–पैर फूलना– हाथों–हाथ लेना– हाथ लगना– हाथ बँटाना– 2. तत्सम शब्दों को तद्भव शब्द में बदलिए– इँसा– परबत– सीस– रस्ता– हस्त– (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)

जनवरी	व्याकरण– कारक व उसके भेद व्याकरण शीट–2	व्याकरण संबंधी नियमों की जानकारी देना। बोलचाल या कहानी में से कारक व उसके भेदों को पहचानने का अभ्यास कराना। शब्द–संपदा में वृद्धि करना।	रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास करना । आत्मविश्वास में वृद्धि करना।	व्याकरण शीट–2 के आधार पर अभ्यास पत्रक बनाकर अभ्यास कराना। कारक का अभ्यास कार्य पत्रक	शब्द–संपदा में वृद्धि हुई। रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास हुआ । सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करने लगे है।	व्याकरण शीट–2 के आधार पर अभ्यास पत्रक।
फरवरी 21	बचपन	संस्मरण विधा से परिचित कराना। संस्मरण लेखन कौशल विकसित करना । अपने विचारों को बिंदुवार तथा क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना । आवाज के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास कराना । विज्ञापन निर्माण करना सिखाना।	पूर्व ज्ञान से संबद्ध करके नैतिक मूल्यों से जुड़ने का प्रयास करना। रचनात्मकता एवं कल्पना शीलता का विकास करना । आत्मविश्वास में वृद्धि करना। सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करना। समय के साथ होने वाले बदलावों से अवगत कराना ।	विद्यार्थी अपने पूर्व अनुभवों की कोई अविस्मरणीय घटना की लिखित रूप में अभिव्यक्ति। विज्ञापन निर्माण " रंग बिरंगी फ्रॉक " " नए खिलौने की दुकान " समय के साथ होने वाले बदलाव– मौखिक अभिव्यक्ति अपने माता–पिता से उनके जीवन की किसी अविस्मरणीय घटना के बारे मं पूछना और उसका लेखन । अनुच्छेद लेखन तथा उसका वाचन– " परिवर्तन संसार का नियम है " घर के बड़े, माता–पिता दादा–दादी आदि स उनके बचपन के विषय में जानना व उससे स्वयं के बचपन की तुलना करना ।	संस्मरण विधा से परिचित हुए । संस्मरण लेखन करना सीखा । जोवन के प्रति सकारात्मक दृ ष्टिकोण का विकास हुआ । आवाज के उचित उतार–चढ़ाव व भावाभिव्यक्ति के साथ संवाद अदायगी का अभ्यास हुआ । समय के साथ होने वाले बदलाव से अवगत हुए । विज्ञापन निर्माण करना सीखा । पूर्व ज्ञान से संबद्ध करना सीखा । रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास हुआ । आत्मविश्वास में वृद्धि हुई । अपने विचारों को बिंदुवार तथा क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करना आया ।	विज्ञापन निर्माण " रंग बिरंगी फ्रॉक " " नए खिलौने की दुकान " अनुच्छेद लेखन तथा उसका वाचन– " परिवर्तन संसार का नियम है " घर के बड़े, माता–पिता दादा–दादी आदि से उनके बचपन के विषय में जानना व उससे स्वयं के बचपन की तुलना करना । (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
मार्च 17	व्याकरण– व्याकरण शीट–2 विज्ञापन निर्माण,	लिंग, वचन, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, तत्सम–तद्भव शब्द से परिचित करवाना।	रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास करना । अनौपचारिक पत्र के प्रारूप	विभिन्न विषयों पर पत्र, संवाद और विज्ञापन निर्माण करने का अभ्यास कराना। व्याकरण शीट–2 के आधार पर	लिंग, वचन, वाक्यांश के लिए एक शब्द, अनेकार्थी शब्द, तत्सम–तद्भव शब्द से परिचित हुए। शब्द–संपदा में वृद्धि हुए।	विभिन्न विषयों पर पत्र, संवाद और विज्ञापन निर्माण करने का अभ्यास कराना। व्याकरण शीट–2 के आधार पर अभ्यास पत्रक बनाकर

	संवाद–लेखन , पत्र लेखन, अपठित गद्यांश पद्यांश एवं पुनरावृत्ति	शब्द–संपदा में वृद्धि करना। आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन–निर्माण सिखाना। संवाद लेखन कौशल का विकास करना। पत्र लेखन कौशल का विकास करना।	से परिचित कराकर पत्र लिखना सिखाना। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करना सिखाना। अपठित गद्यांश पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम बनाना।	अभ्यास पत्रक बनाकर अभ्यास कराना।	आकर्षक पंक्तियों के साथ विज्ञापन– निर्माण सीखा। संवाद लेखन कौशल का विकास हुआ। पत्र लेखन कौशल का विकास हुआ। रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का विकास हुआ । अनौपचारिक पत्र के प्रारूप से परिचित होकर पत्र लिखना सीखा। सारगर्भित शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करने लगे है।	अभ्यास कराना। (किसी एक गतिविधि के आधार पर मूल्यांकन)
		26 मार्च से 08 अप्रैल–वार्षिक परीक्षा–2017.18				